Research Unit
Press Information Bureau
Ministry of Information and Broadcasting
Government of India

आयुष्मान भारत से मजबूत होता मध्य प्रदेश का हेल्थकेयर इको सस्टम

मध्य प्रदेश में 11,325 स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र संचालित

प्रदेश में 3.63 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए

राज्य में 4.07 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए) खोले गए

17 अगस्त, 2023

भारत की सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से इसकी नीतियों और संस्थागत तंत्रों में परिलक्षित होती है, जो जन साधारण तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने की दिशा में निर्देशित हैं।



यही वजह है कि भारत सरकार ने वर्ष 2018 में 'आयुष्मान भारत' योजना की शुरुआत की थी। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण और आर्थिक रुप से कमज़ोर वर्गों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार करने हेतु सरकार के सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य मिशनों में से एक है।

इस योजना को सतत विकास के लक्ष्यों (एसडीजी) और इसकी अंतर्निहित प्रतिबद्धता (किसी को भी पीछे नहीं छोड़ना) को प्राप्त करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।[1]

इसका उद्देश्य देश में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के चार प्रमुख निम्नलिखित स्तंभ हैं :

1. आयुष्मान भारत – स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी)
2. आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई)

[1] https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2022/apr/doc20224305190 1 .pdf

3. आयुष्मान भारत – डिजिटल मशन (एबी डीएम)
4. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मशन (पीएम- एबीएचआईएम)

आयुष्मान भारत: मध्य प्रदेश में प्रगति

मध्य प्रदेश में 'आयुष्मान भारत' योजना के तहत सार्वभौ मक स्वास्थ्य कवरेज सुनिश्चित करने और सतत वकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने दिशा में उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य और च कत्सा सेवाएं प्रदान की जा रहीं हैं।

राज्य द्वारा आयुष्मान भारत' के अंतर्गत हा सल की गई उपलब्धियां स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के प्रति सरकार के समर्पण को दर्शाती हैं।[2]

1. आयुष्मान भारत – स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (एबी-एचडब्ल्यूसी)

11,325 स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण केंद्र

मौजूदा उप-स्वास्थ्य केंद्रों (एसएचसी), प्राथ मक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और शहरी प्राथ मक स्वास्थ्य केंद्रों (यूपीएचसी) को व्यापक प्राथ मक स्वास्थ्य व्यापक देखभाल (सीपीएचसी) संबंधी सु वधाएं प्रदान करने के लए, जिसमें नवारक, प्रोत्साहक, उपचारात्मक, उपशामक और पुनर्वास सेवाएं शा मल हैं जो सार्वभौ मक, निशुल्क और स्थानीय समुदाय के करीब हैं, एबी-एचडब्ल्यूसी में परिवर्तित कया गया है ।

मध्य प्रदेश में (24 जुलाई, 2023 तक) कुल **11,325** स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र **(एचडब्ल्यूसी)** संचा लत हो रहे हैं। । मध्य प्रदेश में वत्त वर्ष 2022-23 में एचडब्ल्यूसी की उपलब्धियां इस प्रकार हैं: [3]

- वर्ष 2022-23 में ' आयुष्मान भारत' योजना के तहत प्रदेश में संचा लत हो रहे **(एचडब्ल्यूसी)** में **1.85** करोड़ लोगों ने नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया है । इनमें से **1.65** करोड़ मरीजों को नि: शुल्क दवाएं भी दी गयी हैं ।
- इन केंद्रों के माध्यम से टीबी मुक्त अ भयान के अंतर्गत **2.92** लाख लोगों की टी.बी की जांच की गई ।
- **93.25** लाख लोगों की उच्च रक्तचाप की जांच की गई । इनमें से 6.77 लाख लोगों का इलाज जारी है।

[2] https://www.health.mp.gov.in/sites/default/files/2023-04/Annual%20Report-2022-2023_0.pdf
[3] https://mpplanningcommission.gov.in/MPES%202022-23_English.pdf

- मधुमेह के लए **92.5** लाख व्यक्तियों का परीक्षण कया गया। इनमें से 3.74 लाख लोगों का उपचार भी हो रहा है।
- हब एंड स्पोक मॉडल के तहत 324 हब और 1610 स्पोक (डायग्नोस्टिक स वस संबं धत) की पहचान की गई है। फरवरी 2022 से दिसंबर 2022 तक इसके अंतर्गत, **15.76** लाख लोगों के **62.82** लाख मुफ्त परीक्षण कए गए हैं। ।

2. आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई)[4]

एबी पीएम-जेएवाई दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वत्त पो षत स्वास्थ्य आश्वासन योजना है, जिसका उद्देश्य पात्र लाभा थयों को द् वतीयक और तृतीयक सेवा अस्पताल में भर्ती के लए हर परिवार को प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करना है। इसके अलावा, एबी पीएम-जेएवाई के तहत, परिवार के आकार, आयु या लंग पर कोई सीमा नहीं है। इस लए, एक परिवार के सभी सदस्य एबी पीएम-जेएवाई के तहत स्वास्थ्य कवरेज के लए पात्र हैं।

मध्य प्रदेश राज्य में इस प्रमुख स्वास्थ्य आश्वासन योजना के तहत हुई प्रगति इस प्रकार है (16 अगस्त, 2023 तक):

- **3.63** करोड़ से अ धक लाभा थयों को राज्य में आयुष्मान कार्ड प्रदान कए गए हैं
- **1,017** अस्पताल (494 सार्वजनिक और 523 निजी) राज्य में सूचीबद्ध कए गए हैं

3.6 करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाये गए

- **30.34** लाख से अ धक लोगों ने **4,735** करोड़ रुपये तक मुफ्त स्वास्थ्य उपचार का लाभ उठाया
- जुलाई 2023 में, प्रधान मंत्री ने एबी-पीएमजेएवाई लाभा थयों को लगभग **3.57** करोड़ डजिटल कार्ड का वतरण कया, जिसमें से मध्य प्रदेश में लाभा थयों को भौतिक रूप से 1 करोड़ कार्ड वतरित कए गए। [5]
- 'आयुष्मान कयोस्क' राज्य के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में स्था पत कए गए हैं, जहां जनता 'आयुष्मान मत्र' से संपर्क करके योजना से संबं धत जानकारी प्राप्त कर सकती है।

[4] https://mpplanningcommission.gov.in/MPES%202022-23_English.pdf
[5] https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1936735

30 लाख से अधिक लोगों का नि:शुल्क उपचार

4,735 करोड़ रुपये लोगों के मुफ्त इलाज पर व्यय किये

3. आयुष्मान भारत – डिजिटल मशन (ABDM)[6]

आयुष्मान भारत डिजिटल मशन (एबीडीएम) का लक्ष्य देश के एकीकृत डिजिटल स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का समर्थन करने के लए आवश्यक आधार वक सत करना है। यह मशन स्वास्थ्य सेवा के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और देश के लए एक अंतर-संचालनीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लए है, ता क स्वास्थ्य सेवा अ धक सुलभ और सस्ती हो सके।

मध्य प्रदेश में इस मशन ने डिजिटल राजमार्गों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र के व भन्न हितधारकों के बीच मौजूदा अंतर को सफलतापूर्वक पाट दिया है। **4.07** करोड़ से अ धक आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाते (एबीएचए आईडी) बनाए गए (16 अगस्त, 2023 तक)। एबीएचए आईडी व शष्ट रूप से व्यक्तियों की पहचान करने, उन्हें प्रमा णत करने और उनके स्वास्थ्य रिकॉर्ड को कई प्रणा लयों और हितधारकों तक पहुंचाने में सक्षम है।

4 करोड़ आभा पहचान पत्र बनाये गए

4. प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मशन (पीएम-एबीएचआईएम)[7]

पीएम-एबीएचआईएम सभी स्तरों अर्थात् प्राथ मक, द् वतीयक और तृतीयक स्तर पर देखभाल की निरंतरता में स्वास्थ्य प्रणा लयों और संस्थानों की क्षमताओं को वक सत करने और वर्तमान और भ वष्य की महामारियों / आपदाओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने में स्वास्थ्य प्रणा लयों को तैयार करने

[6] https://mpplanningcommission.gov.in/MPES%202022-23_English.pdf

[7] https://mpplanningcommission.gov.in/MPES%202022-23_English.pdf

पर केंद्रित है। इस योजना का उद्देश्य शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में फैले स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, निगरानी और स्वास्थ्य अनुसंधान में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना है।

इस योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य में हुई प्रगति इस प्रकार है:

- भारत सरकार ने राज्य में सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों में 35 ब्लॉक, 17 एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाएं, 11 जिला अस्पतालों में 50 बेड वाले क्रटिकल केयर ब्लॉक और 5 मे डकल कॉलेजों में 50 बेड वाले क्रटिकल केयर ब्लॉक अनुमोदित कए हैं।
- वत्त वर्ष 2022-23 में केंद्र सरकार ने कुल 98.70 करोड़ रु योजना के तहत जारी कया

भारत में समग्र स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लए भारत सरकार एक समग्र दृष्टिकोण अपना रही है। सस्ते उपचार का आश्वासन देने, लाभा र्थयों तक पहुंचने के व भन्न तरीकों को नियोजित करने और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को डजिटल बनाने से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण तक, सरकार ने 'स्वस्थ मध्य प्रदेश' बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

स्रोत:

- https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2022/apr/doc20224305190 1 .pdf
- https://www.health.mp.gov.in/sites/default/files/2023-04/Annual%20Report-2022-2023_0.pdf
- https://mpplanningcommission.gov.in/MPES%202022-23_English.pdf
- https://ayushmanbharat.mp.gov.in/
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1936735
- https://abdm.gov.in:8081/uploads/Best_Practice_Book_04a772dd82.pdf
- https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1894906
- https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1738169
- https://nha.gov.in/PM-JAY
- https://mpplanningcommission.gov.in/MPES%202022-23_English.pdf
- सफलता की कहानी के लए लंक: https://ayushmanbharat.mp.gov.in/success-story
- https://www.health.mp.gov.in/sites/default/files/2023-04/Annual%20Report-2022-2023_0.pdf
- लोक सभा अतारां कत प्रश्न संख्या 2753 दिनांक 04.08.2023
- लोक सभा अतारां कत प्रश्न संख्या 1598 दिनांक 28.07.2023

NR/HP/RK/AM/IS/SS